Adda247
GET IT ON Google Play

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

**Roll No.** [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]
(In figures as per admission card)

**Roll No.** ____________________
(In words)

**Test Booklet No.**

**J—0308**

**PAPER—III**

# PHILOSOPHY

**Time : 2½ hours]** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   **No Additional Sheets are to be used.**
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   **इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक ( कैलकुलेटर ) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

# Test Prime

## ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

**70,000+** Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

**600+** Exam Covered

Previous Year Papers

**500%** Refund

IBPS

NABARD

**ATTEMPT FREE MOCK NOW**

Adda247

GET IT ON Google Play

# PHILOSOPHY

# दर्शनशास्त्र

## PAPER—III

## प्रश्न-पत्र—III

**NOTE :** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

Adda247 GET IT ON Google Play

## SECTION - I
## खण्ड – I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

**(5x5=25 marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

**(5x5=25 अंक)**

Even among philosophers, we may say, broadly, that only those universals which are named by adjectives or substantives have been much or often recognized, while those named by verbs and prepositions have been usually overlooked. This omission has had a very great effect upon philosophy ; it is hardly too much to say that most metaphysics, since Spinoza, has been largely determined by it. The way this has occurred is, in outline, as follows : Speaking generally, adjectives and common nouns express qualities or properties of single things, whereas prepositions and verbs tend to express relations between two or more things. Thus the neglect of prepositions and verbs led to the belief that every proposition can be regarded as attributing a property to a single thing, rather than as expressing a relation between two or more things. Hence it was supposed that, ultimately, there can be no such entities as relations between things. Hence either there can be only one thing in the universe, or, if there are many things, they cannot possibly interact in any way, since any interaction would be a relation, and relations are impossible.

The first of these views, advocated by Spinoza and held in our own day by Bradley and many other philosophers, is called *monism*; the second, advocated by Leibniz but not very common nowadays, is called *monadism*, because each of the isolated things is called a *monad*. Both these opposing philosophies, interesting as they are, result, in my opinion, from an undue attention to one sort of universals, namely the sort represented by adjectives and substantives rather than by verbs and prepositions.

*— B. Russell*

Adda247 GET IT ON Google Play

दार्शनिकों के बीच भी, हम कह सकते हैं, कि मौटे तौर पर केवल उन सामान्यों को अधिकतर या अक्सर मान्यता दी गई जिन्हें विशेषणों (या गुणवाचक शब्दों) या तात्विक शब्दों द्वारा नामित किया जाता है, जबकि वो सामान्य जिन्हें क्रियामूलक और पूर्वसर्ग द्वारा नामित किया गया, उनकी सामान्यत: उपेक्षा की गई। इस चूक का दर्शनशास्त्र पर बड़ा भारी प्रभाव पड़ा; यह कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि स्पिनोज़ा के काल से, अधिकांश तत्वमीमांसा सामान्यत: इसके द्वारा निर्धारित की जाती है। जिस तरह से यह हुआ, संक्षेप में, निम्नलिखित है : सामान्यतया, विशेषण और संज्ञा एकल वस्तुओं के गुण विशेषतायें या गुण अभिव्यक्त करते हैं, जबकि पूर्वसर्ग और क्रियामूलक शब्द दो या अधिक वस्तुओं के बीच सम्बन्ध अभिव्यक्त करते हैं। अत: पूर्वसर्ग और क्रियामूलक शब्द की उपेक्षा ने यह मानने को प्रवृत्त किया कि प्रत्येक पूर्वसर्ग ऐसा समझा जा सकता है कि वह एकल वस्तु को एक धर्म से गुणित कर रहा है, बजाय इसके कि वह दो या ज्यादा वस्तुओं के बीच सम्बन्ध को व्यक्त करता है। अत: यह कल्पना की गई थी कि, अन्तत: ऐसी कोई सत्ताएं नहीं हो सकती है जैसे कि वस्तुओं के बीच सम्बन्ध। अत: या तो भू–मंडल में केवल एक वस्तु हो सकती है, या, यदि बहुत सी वस्तुएं हैं, तो वह एक दूसरे के साथ अंत:क्रिया सम्भवतया किसी भी तरह नहीं कर सकती है, क्योंकि किसी भी अंत:क्रिया का अर्थ सम्बन्ध होगा और सम्बन्ध असम्भव हैं।

इनमें से पहला मत, जिसका स्पिनोज़ा ने समर्थन किया था और हमारे समय में ब्राडले व बहुत से अन्य दार्शनिकों द्वारा समर्थन किया गया, *एकत्ववाद* कहलाता है; दूसरा, जिसका लाइब्निज़ द्वारा समर्थन किया गया परन्तु जो आजकल अधिक प्रचलित नहीं है, उसे *चिदणुवाद* कहते हैं क्योंकि प्रत्येक पृथक् वस्तु को *चिदणु* कहते हैं। यह दोनों विरोधी दर्शन, यद्यपि दिलचस्प हैं, मेरी राय से, एक प्रकार के सामान्य पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने का परिणाम है, यानि कि वो प्रकार जो विशेषणों और तात्विक शब्दों द्वारा प्रतिरूपित किये जाते हैं बजाय क्रियामूलक और पूर्वसर्ग द्वारा।

– ***बी. रसेल***

Adda247 GET IT ON Google Play

1. What grammatical expressions stand for universals according to the author ?

लेखक के अनुसार सामान्यों के लिये कौन सी व्याकरणीय अभिव्यक्तियों का उपयोग किया गया है?

2. Which particular neglect on the part of the metaphysicians has been deplored by the author ?

लेखक ने तत्वमीमांसकों की किस विशेष उपेक्षा पर खेद प्रकट किया है?

Adda247 GET IT ON Google Play

**3.** What, according to the author, is the ground of the widespread belief that every proposition can be regarded as attributing a property to a single thing ?

लेखक के अनुसार इस व्यापक विश्वास का क्या आधार है कि प्रत्येक तर्कवाक्य को ऐसा समझा जा सकता है कि वो एकल वस्तु को कोई धर्म गुणित करता है?

**4.** What, according to the author is common to both *monism* and *monadism* ?

लेखक के अनुसार *एकत्ववाद* और *चिदणुवाद* दोनों में क्या बात उभयनिष्ठ है?

Adda247 GET IT ON Google Play

5. Why does the author observe impossibility of interaction between things, even if, they become plural in number ?

क्यों लेखक वस्तुओं, चाहे वे अनेक ही क्यों न हों, के बीच अंत:क्रिया को असम्भव समझता है?

## SECTION - II

## खण्ड – II

**Note :** This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

**(5x15=75 marks)**

**नोट :** इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

**(5x15=75 अंक)**

Adda247 GET IT ON Google Play

6. Define *Samavāya*. State the pairs of relation between which *Samavāya* stands.

समवाय की व्याख्या करें। जिस सम्बन्धित् युगमय के बीच समवाय स्थित है उसका कथन करें।

7. State the *nityadravyas* admitted by the vaiśesikas. By what process *anityadravyas* are created ?

वैशेषिक द्वारा स्वीकृत नित्यद्रव्य का कथन करें। अनित्यद्रव्य किस प्रक्रिया द्वारा सृजित किये जाते हैं?

Adda247 GET IT ON Google Play

8. Explain the concept of appearance according to Bradley.

ब्रैडले के अनुसार आभास की अवधारणा की व्याख्या कीजिये।

9. Give an account of *anvitābhidhānavāda*.

*अन्विताभिधानवाद* का वर्णन कीजिये।

Adda247 GET IT ON Google Play

**10.** State two main reasons in favour of *Parataḥprāmāṇyavāda.*

*परत:प्रामाण्यवाद* के पक्ष में दो मुख्य कारणों को बताएं।

**11.** What is the problem of induction ?

आगमन की समस्या क्या है?

Adda247 GET IT ON Google Play

**12.** Explain Coherence theory of truth.

सत्यता विषयक संसक्तता के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।

**13.** State and explain different *avayavas* of *parārthānumāna* after *Nyāya*.

*न्याय* के अनुसार *परार्थानुमान* के भिन्न अवयवों का कथन करें और व्याख्या करें।

Adda247 GET IT ON Google Play

**14.** Explain the Jaina notion of *triratna*.

जैन धर्म की *त्रिरत्न* की धारणा की व्याख्या कीजिये।

**15.** Give an account of *āśramadharma*.

*आश्रमधर्म* का विवरण दें।

Adda247 GET IT ON Google Play

**16.** Give a brief account of Eudaemonism.

आत्मप्रसादवाद का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

**17.** Explain reformative theory of punishment.

दण्ड के सुधारवादी सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।

Adda247 GET IT ON Google Play

18. What is truth ? What is validity ? How are they related with each other in an argument ? Explain with a suitable example/examples.

सत्य क्या है? वैधता क्या है? तर्क में वे किस प्रकार एक दूसरे से सम्बद्धित होते हैं? उपयुक्त उदाहरण/उदाहरणों के साथ व्याख्या करें।

19. Distinguish between argument - form and an argument with examples.

तर्क–आकार एवं तर्क के बीच अन्तर को सोदाहरण बताइये।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

20. What is good ? What is right ? Is there any relation between good and right ?

शुभ क्या है ? उचित क्या है ? क्या शुभ और उचित के बीच कोई सम्बन्ध है ?

## SECTION - III

## खण्ड – III

**Note :** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

**(12x5=60 marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

**(12x5=60 अंक)**

Adda247 GET IT ON Google Play

## Elective - I

## विकल्प – I

**21.** Discuss the role of dialogue in the study of Comparative Religion.

धर्म के तुलनात्मक अध्ययन में संवाद की भूमिका का विवेचन कीजिये।

**22.** Discuss the Jaina concept of liberation.

जैनधर्म के अनुसार मुक्ति की अवधारणा का विवेचन कीजिये।

**23.** Discuss the doctrines of *Karma* and *Rebirth* according to Buddhism.

बौद्ध धर्म के अनुसार *कर्म* एवं *पुनर्जन्म* के सिद्धान्तों का विवेचन कीजिये।

**24.** Discuss the destiny of man according to Sikhism.

सिख धर्म के अनुसार मनुष्य की नियति का विवेचन कीजिये।

**25.** Discuss the relation between God and Man according to Islam.

इसलाम धर्म के अनुसार ईश्वर और मनुष्य के मध्य सम्बन्ध का विवेचन कीजिये।

Adda247

**OR / अथवा**

## Elective - II

## विकल्प – II

**21.** How does Russell distinguish between knowledge by Acquaintance and Knowledge by description ? Discuss.

रसेल ने किस प्रकार परिचय द्वारा ज्ञान और वर्णन द्वारा ज्ञान के बीच अन्तर किया है? विवेचन करें।

**22.** Explain the traditional distinction between analytic and synthetic judgements. How does Quine react to such distinction.

वैश्लेषिक और संश्लेषित निर्णयों के बीच पारम्परिक भेद की व्याख्या कीजिये। क्वाइन इस प्रकार के भेद के प्रति क्या प्रतिक्रिया करते हैं?

Adda247 GET IT ON Google Play

23. Explain Austin's theory of speech acts.

आस्टिन के भाष्य क्रिया के सिद्धान्त की व्याख्या करें।

24. How does Frege distinguish between the identity-statements between 'a = a' and 'a = b' ?

फ्रेगे किस प्रकार एकरूपता कथनों 'a = a' और 'a = b' के बीच भेद करते हैं?

25. Explain Wittgenstein's concept of Philosophy.

विटगिंस्टीन की दर्शनशास्त्र की अवधारणा की व्याख्या कीजिये।

**OR / अथवा**

**Elective - III**

**विकल्प – III**

21. Briefly explain the central concepts of hermeneutics.

भाष्य विज्ञान की केन्द्रीय अवधारणाओं की संक्षेप में व्याख्या कीजिये।

22. How does Husserl show that intentionality and consciousness go hand-in-hand ?

हुसरल किस प्रकार दर्शाते हैं कि विषयोन्मुखता और चैतन्य साथ-साथ चलते हैं?

23. Do you agree that phenomenology and solipsism are poles apart ? Substantiate your answer.

क्या आप सहमत हैं कि दृश्यप्रपंच विज्ञान और अहंमात्रवाद में आत्यन्तिक भेद हैं? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिये।

24. Discuss the conflict of interpretation and possibilities of agreement.

व्याख्या संबंधी विरोध एवं सहमति की संभावनाओं का विवेचन कीजिये।

25. Write a note on 'understanding' and the 'human sciences'.

'बोधशक्ति' और 'मानवीय विज्ञानों' पर टिप्पणी लिखिये।

**OR / अथवा**

**Elective - IV**

Adda247 GET IT ON Google Play

### विकल्प – IV

**21.** Examine 'Śaṃkara's arguments in favour of *nirguṇa* Brahman.
*निर्गुण* ब्रह्मन् के पक्ष में शंकर द्वारा दिये गये तर्कों की समीक्षा कीजिये।

**22.** Discuss the relationship between Brahman and the world according to Rāmānuja.
रामानुज के अनुसार *ब्रह्मन्* और जगत् के बीच संबंध का विवेचन कीजिये।

**23.** How does Vallabha explain the roles of *jñāna* and *karma* ? Elucidate.
वल्लभ किस प्रकार *ज्ञान* और *कर्म* की भूमिका की व्याख्या कैसे करते हैं? विस्तार कीजिये।

**24.** Explain the relation between *Jīvātman* and *Brahman* in the philosophy of Madhva.
मध्व के दर्शन में दिये गये *जीव* और *ब्रह्मन्* के बीच संबंध की व्याख्या कीजिये।

**25.** Compare Rāmānuja and Nimbarka on the nature of causation.
कारणता के स्वरूप के संबन्ध में रामानुज और निम्बार्क की तुलना कीजिये।

**OR / अथवा**

### Elective - V
### विकल्प – V

**21.** Explain Gandhi's views on truth.
गांधी की सत्य संबंधी दृष्टि की व्याख्या कीजिये।

**22.** Discuss Gandhi's views on Self, World and God.
आत्मा, जगत एवं ईश्वर के संबंध में गांधी की दृष्टि का विवेचन कीजिये।

**23.** What is *Satyagraha* ? Explain different *Satyagraha* Movements launched by Gandhi.
*सत्याग्रह* क्या है? गांधी द्वारा चलाये गये विभिन्न *सत्याग्रह* आन्दोलनों की व्याख्या कीजिये।

**24.** What is *Sarvodaya* ? Explain how economic equality is possible through Sarvodaya.
*सर्वोदय* क्या है? सर्वोदय द्वारा आर्थिक समानता कैसे संभव है? व्याख्या कीजिये।

**25.** The existence of the state is a necessary evil according to Gandhi – Discuss.
गांधी के अनुसार राज्य का अस्तित्व एक अनिवार्य अशुभ है। विवेचन कीजिये।

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

## SECTION - IV

## खण्ड – IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

**(40x1=40 marks)**

**नोट :** इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

**(40x1=40 अंक)**

**26.** The Semantic relationship between universal and meaning in Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन में सामान्य और अर्थ के बीच शब्दार्थ विज्ञानीय सम्बन्ध।

**OR / अथवा**

The main issues of human rights with reference to Social disparities.
सामाजिक वैषम्य के सन्दर्भ में मानवीय अधिकार के मुख्य प्रश्न।

**OR / अथवा**

The importance of value - education in the contemporary society.
समकालीन समाज में मूल्य-शिक्षा का महत्व।

**OR / अथवा**

The concept of self *(ātman)* in Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन में *आत्मा* की अवधारणा।

**OR / अथवा**

"Let all the religions of the world flow in my house as freely as possible, but I cannot tolerate that my feet is blown off". (Mahatma Gandhi).
''मेरे घर में मुक्त रूप से सभी धर्मों का प्रवाह हो, परन्तु मेरे लिये उसमें बह जाना असह्य होगा'' – (महात्मा गांधी)

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

GET IT ON Google Play

Adda247

GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

## FOR OFFICE USE ONLY

**Marks Obtained**

| Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 26 | | 51 | | 76 | |
| 2 | | 27 | | 52 | | 77 | |
| 3 | | 28 | | 53 | | 78 | |
| 4 | | 29 | | 54 | | 79 | |
| 5 | | 30 | | 55 | | 80 | |
| 6 | | 31 | | 56 | | 81 | |
| 7 | | 32 | | 57 | | 82 | |
| 8 | | 33 | | 58 | | 83 | |
| 9 | | 34 | | 59 | | 84 | |
| 10 | | 35 | | 60 | | 85 | |
| 11 | | 36 | | 61 | | 86 | |
| 12 | | 37 | | 62 | | 87 | |
| 13 | | 38 | | 63 | | 88 | |
| 14 | | 39 | | 64 | | 89 | |
| 15 | | 40 | | 65 | | 90 | |
| 16 | | 41 | | 66 | | 91 | |
| 17 | | 42 | | 67 | | 92 | |
| 18 | | 43 | | 68 | | 93 | |
| 19 | | 44 | | 69 | | 94 | |
| 20 | | 45 | | 70 | | 95 | |
| 21 | | 46 | | 71 | | 96 | |
| 22 | | 47 | | 72 | | 97 | |
| 23 | | 48 | | 73 | | 98 | |
| 24 | | 49 | | 74 | | 99 | |
| 25 | | 50 | | 75 | | 100 | |

Total Marks Obtained (in words) ....................................

(in figures) ....................................

Signature & Name of the Coordinator ...............................

(Evaluation) Date .............................